सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 03 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 4 फरवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

साधारण दिखने वाले लोग ही दुनिया के सबसे अच्छे लोग होते हैं। यही वजह है कि भगवान ऐसे बहुत से लोगों का निर्माण करते हैं।
-अब्राहम लिंकन

मोदी सरकार खा गई सारी नौकरियां... 7 | लोकसभा चुनाव के लिए यूपी से... 3 | बेईमानी से जीता एमएलसी चुनाव... 2

## मोदी सरकार को 'सुप्रीम' फटकार

# सख्ती के लिए न करें मजबूर

## जजों की नियुक्ति में देरी पर दिखाई नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच तल्खी थमने का नाम नहीं ले रही है। न्यायालय ने कॉलेजियम की सिफारिशों के बावजूद जजों की नियुक्त करने में देरी पर मोदी सरकार को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट सख्त लहेजे कहा है कि उसे ऐसा मजबूर न किया जाए की वह कोई असुविधाजनक निर्णय ले।**

सुप्रीम कोर्ट ने जजों के तबादले व नियुक्तियों में देरी पर केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि हमें ऐसा कोई रुख अपनाने को मजबूर नहीं किया जाए, जो कष्टदायक हो। कॉलेजियम की सिफारिशों को मंजूरी में देरी पर प्रशासनिक व न्यायिक दोनों तरह की कार्रवाई हो सकती है। इसे सुखद नहीं कहा जा सकता। इस पर, केंद्र ने आश्वस्त किया कि रविवार तक पांच नियुक्तियां हो जाएंगी। जस्टिस संजयकिशन कौल व जस्टिस अभय एस ओका की पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से केंद्र के रवैये पर नाराजगी जताई। पीठ एडवोकेट्स एसोसिएशन, बंगलूरू की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

### अनिर्णय बेहद गंभीर मामला

पीठ ने अटॉर्नी जनरल से कहा, केंद्र हाईकोर्ट के जजों के तबादले पर निर्णय नहीं ले रहा। यह बेहद नाजुक और गंभीर मामला है। ऐसे हालात में हमें कठिन निर्णय लेना होगा। एजी ने कहा, कोर्ट को कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि इस पर काम हो रहा है। पीठ ने पूछा, काम हो रहा है तो कब पूरा होगा? चीजें सालों से ऐसी ही हैं। एजी ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों के लिए की सिफारिशों पर जल्द अमल हो जाएगा। रविवार तक नियुक्तियां हो सकती हैं। इस पर, पीठ ने केंद्र को सिफारिशों पर फैसला लेने के लिए एक सप्ताह का समय दे दिया।

### दिसंबर में की थी सिफारिश

**कॉलेजियम ने 13 दिसंबर, 2022 को जस्टिस पंकज मित्तल, जस्टिस संजय करोल, जस्टिस पीवी संजय कुमार, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस मनोज मिश्र को सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत करने की सिफारिश की थी। 31 जनवरी को इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस राजेश बिंदल और गुजरात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अरविंद कुमार को भी सुप्रीम कोर्ट में जज के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की गई थी।**

# शरजील और आसिफ को कोर्ट ने किया बरी

## पर अभी जेल में रहना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। दिल्ली की साकेत कोर्ट ने जामिया में हुए 2019 की हिंसा के केस में शरजील इमाम और आसिफ इकबाल तनहा को बड़ी राहत देते हुए बरी कर दिया है। हालांकि उन्हें अब भी कई अन्य मामलों के चलते जेल में ही रहना होगा। इनके खिलाफ दंगा भड़काने और असंवैधानिक भीड़ जुटाने के लिए आईपीसी की धारा- 143, 147, 148, 186, 353, 332, 333, 308, 427, 435, 323,341, 120बी और 34 के तहत मामला दर्ज है।हालांकि इमाम अब भी जेल में ही रहेगा क्योंकि उसके खिलाफ पूर्वी दिल्ली में 2020 में हुए दंगों में कई मामलों में केस दर्ज है।**

### फरवरी 2020 के दंगों में दर्ज हुआ था मामला

शरजील इमाम और कई अन्य पर फरवरी 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड होने के लिए यूएपीए मामले में आतंकवाद विरोधी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। दंगो में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हो गए थे। नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक पंजीकरण के विरोध में प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़की थी। इमाम पर दिसंबर 2019 में जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में सीएए और एनआरसी पर सरकार के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने का आरोप था।

# जज विक्टोरिया गौरी के भाजपा से कनेक्शन पर वकील नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**चेन्नई । मद्रास हाईकोर्ट की वकील लक्ष्मण चंद्र विक्टोरिया गौरी को जज बनाने को लेकर बवाल थमने को नाम नहीं ले रहा है। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै खंडपीठ के 50 से अधिक वकील इस नियुक्ति का खुलकर विरोध कर रहे हैं। इनमें से 58 वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को पत्र लिखकर नाम वापस लेने पर फिर से विचार करने के लिए कहा है। सभी वकीलों ने पत्र में कहा है कि गौरी के नाम पर असहमति जताने के बावजूद उनका नाम कॉलेजियम द्वारा वापस लेने से इनकार कर दिया गया है।**

वकीलों ने कहा कि विक्टोरिया गौरी की राजनीतिक पृष्ठभूमि है जिन्होंने राजनीतिक दलों के सदस्यों के रूप में भी काम किया है। उनका कहना है कि गौरी भाजपा की महिला मोर्चा की महासचिव रह चुकी हैं। साथ ही पत्र में कहा गया है कि इस तरह की नियुक्तियां न्यायपालिका को कमजोर कर सकती हैं।

### गौरी का दावा- भाजपा से नहीं रहा अब नाता

बवाल के बाद विक्टोरिया गौरी ने इस मामले में सफाई भी दी है। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के सभी पदों से जून 2020 में ही इस्तीफा दे दिया था। वर्तमान में वह किसी भी तरह से राजनीति से नहीं जुड़ी हैं। वह बस अभी वकालत पर ध्यान दे रही है।

# बेईमानी से जीता एमएलसी चुनाव : अखिलेश

» जो अपने मन से वोट डाले उसे भी डालने नहीं दिया जाता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश एमएलसी चुनाव में बीजेपी पर बेइमानी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा बेईमानी कर ले और बेईमानी की बधाई एक दूसरे को दे। ज्ञात हो समाजवादी पार्टी को पांच सीटों में से एक सीट पर भी जीत नहीं मिली। एमएमलसी चुनाव में सपा की हार के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पहली प्रतिक्रिया आई है।

हरदोई के हरपालपुर में एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे अखिलेश यादव ने इस हार पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बीजेपी बेईमानी कर ले और बेईमानी की बधाई एक दूसरे को दे। पूर्व सीएम अखिलेश ने कहा कि यह पहला चुनाव नहीं है, इससे भी पहले ऐसे चुनाव हुए हैं। जिला पंचायत चुनाव में कीमत लगाई गई और ब्लाक प्रमुख में पर्चे नहीं भरने दिए गए, इसी तरह एमएलसी चुनाव में डीएम, एसपी और प्रशासन लड़ता रहा। इस चुनाव पर कुछ नहीं कहेंगे, बीजेपी का शासन है।

## बीजेपी होशियार पार्टी, दूसरे दल को आगे कर जवाब दिलाई जाती है

वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश ने कहा कि जो अपने मन से वोट डाले उसे भी डालने नहीं दिया जाता। इसके साथ ही सपा अध्यक्ष ने बसपा सुप्रीमो मायावती के ट्वीट पर पलटवार करते हुए कहा कि बीजेपी होशियार पार्टी है, जिनका जवाब वह नहीं देना चाहती दूसरे दल को आगे करती है। बता दें कि एमएलसी चुनाव में बरेली-मुरादाबाद खंड स्नातक सीट, गोरखपुर-फैजाबाद स्नातक सीट, कानपुर-उन्नाव स्नातक खंड और झांसी-इलाहाबाद शिक्षक खंड सीट पर बीजेपी ने शानदार जीत दर्ज की. वहीं दूसरी तरफ कानपुर शिक्षक खंड की सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी राज बहादुर चंदेल ने जीत दर्ज की है। पांच सीटों पर हुए चुनाव में सपा को एक सीट पर भी जीत नहीं मिली है।

## बीजेपी बैठक में केशव मौर्य को स्टूल पर बैठना पड़ता है : स्वामी

लखनऊ। सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य एक ट्वीट कर उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य पर हमला किया है उन्होंने कहा कि पिछड़े समाज के केशव मौर्य को स्टूल पर बैठना पड़ता है। बीजेपी में उनकी यही इज्जत है। उन्होंने ट्वीट में आगे लिखा कि जो अपमानजनक टिप्पणियां महिलाओं व शुद्र समाज को की जाती है उसका यही समाज समझता है। उधर, सपा महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने बसपा प्रमुख मायावती पर पलटवार किया है। उन्होंने एक चैनल से बातचीत करते हुए कहा कि अब मायावती को गेस्ट हाउस कांड याद नहीं आना चाहिए। 2019 में अखिलेश से गठबंधन किया था। उनका पूरा सम्मान हुआ है। वह खुद बहन जी का बेहद सम्मान करते हैं। लेकिन अब स्थिति यह है कि बसपा प्रमुख के पैरों तले जमीन खिसक रही है। यही वजह है कि वह अलग-अलग बयान दे रही है।

**मायावती पर पलटवार कहा- बसपा प्रमुख के पैरों तले जमीन खिसक रही**

# आदिवासियों-मूलवासियों की आवाज दबाना चाहता है केंद्र : हेमन्त सोरेन

» मोदी सरकार राज्य के प्राकृतिक संसाधनों का करना चाहती है दोहन

» भाजपा के लोग सरकार गिराने के लिये रच रहे षडयंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुमका। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने एक बार फिर केंद्र सरकार को घेरा है। अब झारखंड के सीएम हेमन्त सोरेन ने केंद्र सरकार पर राज्य के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने का आरोप लगाया। इसके साथ उन्होंने कहा कि ग्रामसभा की अनुमति के बगैर वनक्षेत्रों में यदि कोई गतिविधि शुरू की जाती है तो वे विरोध करें। उन्होंने आरोप लगाया कि इसका लक्ष्य आदिवासियों-मूलवासियों की आवाज को दबाना है।

सोरेन ने दुमका में अपनी पार्टी झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के 44वें स्थापना दिवस समारोह पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरोप लगाया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि केन्द्र सरकार ने वन (संरक्षण) कानून में ऐसा बदलाव किया है कि पेड़ काटने से लेकर खुदाई करने तक किसी भी कार्य के लिए ग्रामसभा समिति की सहमति की आवश्यकता नहीं होगी। कानून बदल देने के कारण आदिवासी-मूलवासी अब अपनी आवाज नहीं उठा पायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने भारत सरकार को चिट्ठी लिखी है कि आपका यह कानून इस राज्य में लागू नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों का विकास किया लेकिन उसने सत्ता में रहने के दौरान झारखंड के विकास के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि अब पहली बार राज्य में आदिवासी-मूलवासी की सरकार बनी है तो भाजपा के लोग सरकार गिराने के लिये नाना प्रकार के षडयंत्र रचते हैं, इन लोगों का संकल्प है कि मुख्यमंत्री को जेल भेज देंगे लेकिन सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं।

## धर्मेंद्र प्रधान बनाए गए कर्नाटक राज्य प्रभारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में इस साल के मध्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। पार्टी ने शनिवार को कर्नाटक में चुनाव प्रभारी के तौर पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नियुक्त कर दिया। उनके साथ तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के अन्नामलाई को राज्य में सह-प्रभारी बनाया गया है। कर्नाटक में सत्तासीन भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस दोनों ने अप्रैल-मई में होने वाले इन चुनावों के लिए लोगों तक पहुंच बनाने की अपनी मुहिम जोर-शोर से शुरू कर दी है। प्रधान को पहले भी कई राज्यों में चुनावों का जिम्मा सौंपा जा चुका है। पार्टी की उम्मीद रहेगी कि वह एक कुशल नेता के रूप में राज्य में संगठन को संगठित करें और स्थानीय इकाई में आंतरिक समस्याओं को दूर करें, ताकि इस महत्वपूर्ण दक्षिणी राज्य में पार्टी सत्ता बरकरार रखने का प्रयास कर सके।

# जदयू को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलाने की तैयारी में नीतीश

» नागालैंड में दो उम्मीदवारों के नाम का किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय दर्जा हासिल करने के लिए जदयू 27 फरवरी को होने वाले नागालैंड विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने 29-30 जनवरी को पूर्वोत्तर राज्य का दौरा किया और बिहारी मतदाताओं के साथ-साथ नागालैंड के लोगों का विश्वास जीतने के प्रयास में दो बैक-टू-बैक रैलियों को संबोधित किया।

नागालैंड के जदयू प्रभारी अफाक खान ने कहा कि पार्टी ने 2018 में 13 सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन एक ही सीट जीतने में सफल रही। खान ने कहा, हम इस बार 14 से ज्यादा सीटों पर छह फीसदी वोट शेयर के साथ चार से ज्यादा सीटें जीतने की उम्मीद के साथ चुनाव लड़ेंगे। एक तरह से मान लीजिए कि नागालैंड के जरिए नीतीश कुमार 2024 को भी साधने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं जदयू ने दो उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है और उम्मीद की जा रही है कि अन्य दावेदारों के नामों की भी घोषणा भी जल्द कर दी जाएगी। वर्तमान में जदयू को बिहार, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त है। यदि पार्टी को तीन से अधिक सीटें या 6 प्रतिशत वोट प्राप्त होते हैं, तो वह स्वत: ही राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त कर लेगी। 2003 में, जदयू ने दो सीटें और 5.8 प्रतिशत वोट जीते थे, लेकिन 2008 में पार्टी एक भी सीट जीतने में नाकाम रही। 2013 और 2018 में उसे एक सीट पर जीत मिली थी।

## बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

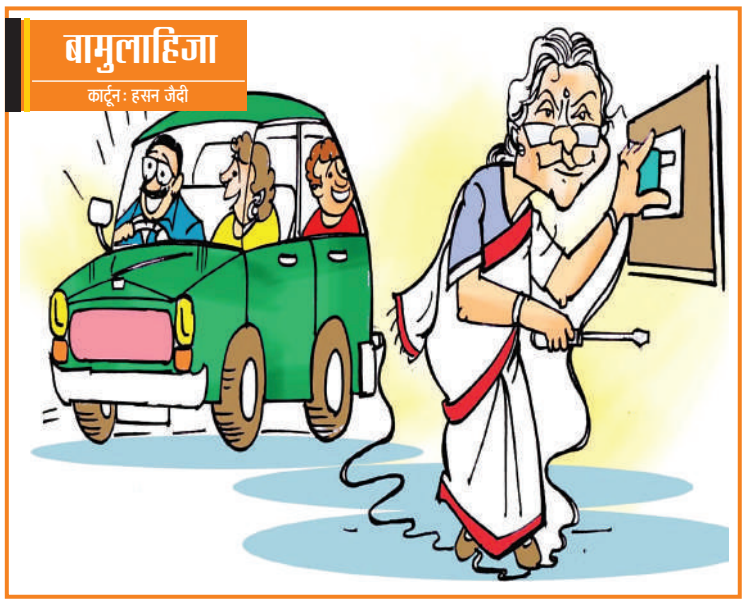

# शिवसेना में बगावत के लिए उद्धव को पहले ही दे दी थी चेतावनी : अजीत

» शरद पवार ने दी थी हिदायत,ठाकरे ने गंभीरता से नही लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता अजीत पवार ने दावा किया है कि शरद पवार ने पहले ही उद्धव ठाकरे को शिवसेना में बगावत को लेकर चेताया था। अजीत पवार ने ये भी कहा कि शरद पवार के चेताने के बावजूद उद्धव ठाकरे को नहीं लगता था कि उनकी पार्टी के विधायक ऐसा कोई कदम उठा सकते हैं।

बता दें कि बीते साल जून माह में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के कई विधायकों ने बगावत कर दी थी, जिसके चलते शिवसेना का बंटवारा हुआ और महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की सरकार भी गिर गई। एकनाथ शिंदे गुट ने भाजपा के साथ मिलकर महाराष्ट्र में सरकार बना ली। एक मीडिया संस्थान के साथ बातचीत में अजीत पवार ने बताया कि उन्हें लगता था कि शिवसेना में टूट हो सकती है और उद्धव ठाकरे को इस बारे में बताया भी गया था। शरद पवार ने खुद फोन करके उद्धव ठाकरे को इस बात की आशंका जाहिर की थी। हालांकि उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्हें उनके विधायकों पर विश्वास है और उन्हें नहीं लगता कि उनकी पार्टी के विधायक ऐसा कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं।

# लोकसभा चुनाव के लिए यूपी से बाहर भी ताकत बढ़ाने में जुटीं मायावती

**» सुखबीर और हरसिमरत की दिल्ली में बैठक**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंड़ीगढ़। लोकसभा चुनाव में अपनी ताकत बढ़ाने में जुटी मायावती ने पंजाब में अपनी मौजूदगी केलिए वहां की स्थानीय पार्टियों से गठबंधन की राह अपना ली है। इसी के तहत शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का गठबंधन आगामी लोकसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ने की तैयारी में जुट गया है। गुरुवार को शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल, उनकी पत्नी सांसद हरसिमरत कौर बादल और बसपा सुप्रीमो मायावती के बीच नई दिल्ली में दोपहर भोज पर विशेष मुलाकात हुई। इन नेताओं ने लोकसभा चुनाव में शिअद-बसपा गठबंधन की मजबूती और बेहतर तालमेल बनाए रखने पर विस्तार से बातचीत की।

साथ ही, लोकसभा चुनाव में बेहतर परिणाम लाकर देश की राजनीति में बदलाव लाने पर भी सहमति बनी। मायावती के निवास स्थान पर हुई इस मुलाकात के दौरान बसपा सुप्रीमो ने कहा कि बसपा को शिअद नेताओं पर पूरा भरोसा है कि वे भी बसपा की तरह ही अपना वोट हमारी पार्टी को ट्रांसफर कराने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे ताकि गठबंधन का फायदा हो और ज्यादा से ज्यादा उम्मीदवार चुनाव जीत का अच्छा संदेश दें।दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व में शुरू से ही इस बात पर आम सहमति थी कि पंजाब विधानसभा चुनाव की तरह ही आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान भी दोनों दलों के बीच पूरी एकता, एकजुटता व समन्वय हर हाल में बरकरार रहना चाहिए।

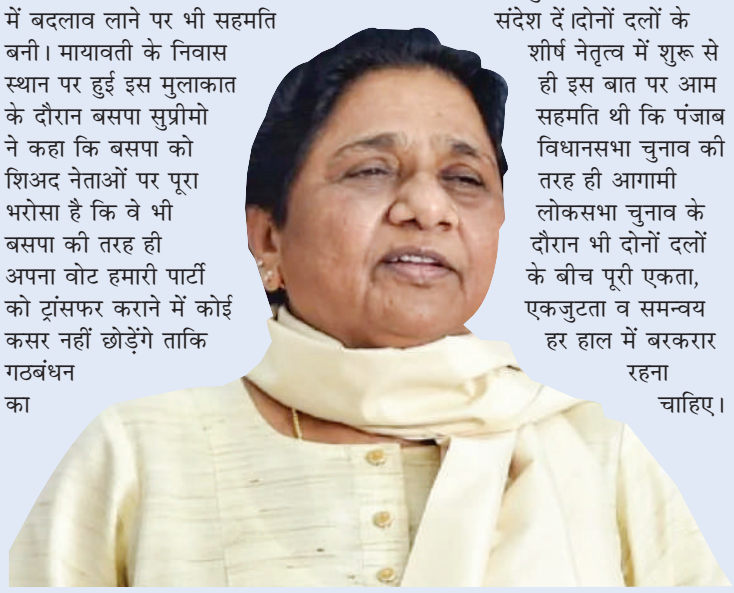

## सुखबीर बादल ने किया ट्वीट

बसपा सुप्रीमो बहन मायावती से बातचीत करके और उनके प्रबुद्ध विचार सुनकर खुशी हुई। बहनजी से उनके घर पर मुलाकात की और पंजाब में अकाली-बसपा गठबंधन को मजबूत करने के लिए बातचीत की। जालंधर में चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में सर्वश्रेष्ठ परिणामों के लिए संयुक्त अभियान के अलावा बेहतर समन्वय पर ध्यान केंद्र किया गया। उन्होंने दूसरे ट्वीट में लिखा- बैठक में सतीश मिश्रा भी शामिल थे। उन्होंने पंजाब और आप सरकार में किसानों, युवाओं और अनुसूचित जाति की आकांक्षाओं को पूरा करने और कानून-व्यवस्था के पतन का उल्लेख किया। लोग अकाली-बसपा गठबंधन में विश्वास करेंगे और भाजपा की नकारात्मक राजनीति के खिलाफ मतदान करने के अलावा जनविरोधी आप और कांग्रेस को खारिज करेंगे। उधर, मायावती ने भी ट्वीट कर कहा- पंजाब में शिअद-बसपा गठबंधन भरोसेमंद, जिस पर जनता की फिर से नजर। पहले कांग्रेस और अब आप सरकार के कार्यकलाप, वादाखिलाफी से जनता दुखी। भाजपा की जुगाड़ व तोड़फोड़ वाली निगेटिव राजनीति भी लोगों को नापसंद। शिअद के संरक्षक व पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल की अच्छी सेहत के साथ उनकी लंबी उम्र की कामना। दोनों पार्टियों का गठबंधन बनाने से लेकर उसे जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करने में उनकी भूमिका सराहनीय। उनका गठबंधन को आशीर्वाद पहले की तरह आज भी पूरी मजबूती से बरकरार।

# सियासी छांव से नही बच सकता बजट

## चुनावी हथियार की तरह भी इस्तेमाल करती है सत्तापक्ष की पार्टी

**» सरकार का विजन होता है आम बजट**

**» सरकारी नीतियों को घेरने का विपक्ष के पास होता है मौका**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 1 फरवरी को आम बजट आ गया है। सत्ता पक्ष देश के आमजन का बजट बता रही है तो विपक्ष इसे चुनावी बजट बताकर इसकी आलोचना कर रहा है। चाहे जो भी हो बजट पर सियासत आज से नहीं पहले भी होती रही है।

पर इन सब बातों से अलग आम जनता को यह भी जानना चाहिए कि बजट तैयार करने के लिए वित्तमंत्रालय महीनों से मेहनत करता है और हर एक पहलू पर गहन सर्वे के बाद बजट तैयार करता है। बजट तैयार करने में देश के जरूरत क हिसाब से सारी बातों का डालता है। बजट एक तरह से उस सरकार का विजन भी होता है जो सत्ता में होती है। 1947 से लेकर अब तक 89 बार बजट पेश किया गया है। अब तक 26 वित्त मंत्री इसका जिम्मा उठा चुके हैं। क्या आप जानते हैं कि 2023 में पेश होने वाले बजट में आजादी से पहले से अब तक क्या और कितना बदलाव हुआ है? पहली बार बजट कब पेश किया गया था? बजट कहाँ छपा था? बजट पेश करने का समय क्या था? रेल बजट को केंद्रीय बजट में कब विलय किया गया था? यह सब भी आम जन को जानना चाहिए।

## बजट में रेल बजट का विलय

सबसे पहले 1924 में अंग्रेजों ने केंद्रीय बजट के अलावा रेलवे बजट की प्रथा शुरू की। तब से लेकर 2016 तक रेल बजट और केंद्रीय बजट अलग-अलग पेश किए जाते थे। 2017 में मोदी सरकार में वित्त मंत्री रहे अरुण जेटली ने रेल बजट को केंद्रीय बजट में मर्ज करने पर चर्चा की थी। इसके बाद बजटों के विलय की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया। 2017 में ही अरुण जेटली ने पहला संयुक्त केंद्रीय बजट पेश किया था।

## 1973-74 में काला बजट

वर्ष 1973-74 में बजट को ब्लैक बजट कहा गया। यह बजट वित्त मंत्री यशवंतराव बी चव्हाण ने पेश किया था। 550 करोड़ के उच्च बजट घाटे के कारण इसे काला बजट करार दिया गया था। यह उस समय की अधिकतम राशि थी। बजट आमतौर पर राष्ट्र के वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। हालांकि, कई बार पूर्व प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू, राजीव गांधी और इंदिरा गांधी ने अपने प्रशासन के दौरान बजट की घोषणा की थी।

## टैक्स स्लैब कम करने के लिए बजट

वित्त वर्ष 1997-98 में वित्त मंत्री पी चिदंबरम द्वारा पेश किए गए बजट को ड्रीम बजट कहा गया था। यह शब्द बजट को दिया गया था क्योंकि इसमें व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट करों को कम करने का प्रस्ताव था।

## बजट नॉर्थ ब्लॉक में छपते हैं

साल 1980 में केंद्र सरकार ने नॉर्थ ब्लॉक में प्रिंटिंग प्रेस लगाने का फैसला किया और तब से यहां बजट छपता है। बजट छपाई से पहले हलवा सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। इस समारोह के बाद ही बजट की छपाई की प्रक्रिया शुरू होती है। 1950 तक बजट राष्ट्रपति भवन में छपता था। इस साल बजट लीक होने के बाद छपाई की जगह बदल दी गई। फिर बजट की छपाई की प्रक्रिया मिंटो रोड, नई दिल्ली में शुरू हुई।

## बजट की भाषा

1955 तक केंद्रीय बजट केवल अंग्रेजी में पेश किया जाता था। इसके बाद केंद्र सरकार ने बजट के कागजात हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छापने का फैसला किया।

## भारत का पहला पेपरलेस बजट

ब्रिटिश परंपरा के अनुसार वित्त मंत्री बजट दस्तावेज को भूरे या लाल बैग में रखकर संसद में बजट पेश करने पहुंचते थे। यह सिलसिला 2019 में निर्मला सीतारमण के कार्यभार संभालने तक जारी रहा। 2020 में कोरोना महामारी के दस्तक देने के बाद 2021 में बजट में एक और महत्वपूर्ण बदलाव हुआ और यह पेपरलेस हो गया। आपको बता दें कि साल 1999 तक केंद्रीय बजट पेश करने का समय और दिन तय था। ब्रिटिश काल की प्रथा के अनुसार केंद्रीय बजट फरवरी के अंतिम दिन शाम पांच बजे पेश किया जाता था। 1999 में वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने बजट पेश करने का समय बदलकर सुबह 11 बजे कर दिया। वहीं, 2017 में केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने बजट पेश करने की तारीख को बदलकर 1 फरवरी कर दिया था। बजट को मोरारजी देसाई 10,पी चिंदबरम 9, प्रणव मुखर्जी 7, सीडी देशमुख 7, यशवंत सिन्हा 6, मनमोहन सिंह 6,वाईबी चौहान 5, टीके कृष्णमचारी 5, अरुण जेटली 5, निर्मला सीतारमण 5 बार बजट पेश कर चुकीं हैं।

## पहला बजट 1858 में आया था

भारतीय प्रशासन को 7 अप्रैल, 1858 को ईस्ट-इंडिया कंपनी से ब्रिटिश क्राउन में स्थानांतरित कर दिया गया था। दो साल बाद यानी 7 अप्रैल, 1860 को पहली बार बजट पेश किया गया था। बजट पेश करने वाले पहले वित्त मंत्री जेम्स विल्सन थे। इसके बाद अंतरिम सरकार के सदस्य लियाकत अली खान ने 1947-48 का बजट पेश किया। देश की आजादी के बाद भारत के पहले वित्त मंत्री शनमुखम चेट्टी ने 26 नवंबर 1947 को आजाद भारत का पहला बजट पेश किया था। ये वो दौर था जब सेना को शरणार्थियों की मदद के साथ-साथ पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे हमले का भी सामना करना पड़ रहा था। नतीजा ये हुआ कि देश के पहले बजट में से 47 फीसदी रक्षा क्षेत्र में खर्च करना पड़ा। कुल खर्च की तुलना में वित्तीय घाटा 21 फीसदी था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2020-2021 का बजट पेश करते हुए सबसे लंबा भाषण देने का रिकॉर्ड बनाया। भाषण दो घंटे 42 मिनट तक दिया गया। दूसरी ओर, सबसे छोटा बजट भाषण वित्त मंत्री हीरूभाई मुलजीभाई पटेल ने दिया। भाषण सिर्फ 800 शब्दों का था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# पंत के बिना भारत पर होगा दबाव

*भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर विश्व क्रिकेट में अपना परचम लहराया। अब वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ ताल ठोंकने की तैयारी कर रहा है। पर टेस्ट सीरीज को लेकर एक चिंता भी टीम प्रबंधन को सता रही है वो है पंत का टीम में न होना। क्योंकि दुर्घटना से घायल ऋषभ पंत आराम कर रहे हैं। टेस्ट मैचों में उनका प्रदर्शन उम्दा रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नौ फरवरी से चार मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत हो रही है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से यह सीरीज टीम इंडिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत को फाइनल में पहुंचने के लिए सीरीज जीतनी होगी। अगर टीम इंडिया दो या तीन मैच जीतने में कामयाब होती है तो आसानी से फाइनल के लिए क्वालिफाई कर सकती है।भारत को इस सीरीज में सबसे ज्यादा कमी ऋषभ पंत की खलेगी। पंत 2020 से लेकर अब भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। वह एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं जिसने 2020 से लेकर अब तक यानी करीब तीन वर्षों में टेस्ट में 1500 रन का आंकड़ छुआ है।*

*पंत ने इस दौरान 22 टेस्ट में 43.34 की औसत से 1517 रन बनाए हैं। इनमें तीन शतक और नौ अर्धशतक शामिल हैं। इतना ही नहीं उनका स्ट्राइक रेट भी बाकी भारतीय बल्लेबाजों से काफी ज्यादा रहा है। पंत के बाद दूसरे नंबर पर चेतेश्वर पुजारा हैं। उन्होंने 2020 से लेकर अब तक 23 मैचों में 30.33 की औसत से 1274 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने केवल एक शतक लगाया और 10 अर्धशतक जड़े हैं। 2020/21 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पंत भारत की ऐतिहासिक 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में अहम किरदार रहे थे। सिडनी में सीरीज के तीसरे मैच की दूसरी पारी में पंत ने ताबड़तोड़ 97 रन बनाए थे। एक वक्त वो भारत को जीत दिलाने की दहलीज पर खड़े थे। हालांकि, उनके आउट होते ही भारत ने मैच को ड्रॉ कराने का सोचा। वहीं, गाबा ब्रिस्बेन में चौथे टेस्ट में पंत की 89 रन की नाबाद पारी ने भारत को जीत दिलाई थी। ऐसे में जब भारतीय टीम उनके बिना इस सीरीज में उतरेगी तो उनकी कमी जरूर खलेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-15 भारतीय बल्लेबाज में मौजूदा टीम से सिर्फ पुजारा और कोहली ही हैं। पुजारा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 टेस्ट में 54.08 की औसत से 1893 रन बनाए हैं। इनमें पांच शतक और 10 अर्धशतक शामिल है। वहीं, कोहली ने कंगारू के खिलाफ 20 टेस्ट में 48.05 की औसत से 1682 रन बनाए हैं। इस बार भी भारतीय बल्लेबाजी का दारोमदार इन्हीं दोनों पर होगा। पर भारतीय प्रशंसक उम्मीद कर रहे कि वर्तमान टी उम्दा खेल रही है वह कंगारू टीम को भी मात देकर देश की झोली में खुशियां डालेगी।*

**पंत और पुजारा ही दो ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने पिछले तीन साल में हजार से ऊपर रन बनाए हैं। कप्तान रोहित शर्मा 13 टेस्ट में 45.27 की औसत से 996 रन के साथ तीसरे और विराट कोहली 20 मैतों में 917 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# जनादेश को अर्थहीन बनाने का उपक्रम

एम.एस. चोपड़ा

स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ ही हमारे दूरदर्शी नेताओं ने संसदीय लोकतंत्र को शासन प्रणाली के रूप में अपनाया। इस मुद्दे पर संविधान सभा में गहन विचार-विमर्श किया गया। भारत की अनुभवजन्य वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया कि संसदीय लोकतंत्र ही देश का शासन चलाने के लिए सबसे उपयुक्त होगा। तमाम जांच-परख और उतार-चढ़ाव के बावजूद उनकी बुद्धिमत्ता खरी उतरी है। लेकिन समय बीतने के साथ ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में कई विचलन और चुनौतियां भी देखी गई हैं। इसमें कई दोष घुस चुके हैं। इनमें सबसे खराब दोष सत्ता और पैसों के लालच में दल-बदल करना है। लोकतंत्र एक आदर्शवादी राजनीतिक विचार है। यह केवल शासन पद्धति नहीं है, जीवन का एक तरीका है। इसकी सफलता और अस्तित्व आपसी सहिष्णुता, सहयोग, दूसरों के विचार का सम्मान, न्याय और बंधुत्व की भावना के मानवीय गुणों पर निर्भर है।

दुर्भाग्य से कुछ वर्षों से हमारा लोकतंत्र केवल चुनावों तक ही सीमित कर दिया गया । समय-समय पर चुनाव कराना, उनमें जीत या हार, एक लोकतांत्रिक देश होने के हमारे दावे को स्वीकार्य नहीं कर सकता है। इसमें और भी बहुत कुछ है। अपना प्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया जातिवाद, सांप्रदायिकता, धन और बाहुबल जैसे कई कारकों से खराब हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति लोगों को निष्पक्ष रूप से सही और स्वतंत्र विकल्प चुनने में अक्षम बनाती है। इन समस्याओं के अलावा, सबसे बुरी बीमारी जो हमारे लोकतंत्र में घर कर गई है, वह है राजनीतिक दल-बदल। लोकतांत्रिक प्रणाली का मूल सिद्धांत है कि निर्वाचित प्रतिनिधि को प्रमुख रूप से अपने मतदाताओं के प्रति जवाबदेह और अपने राजनीतिक दल के प्रति वफादार होना चाहिए। व्यक्ति उस वक्त सच्चा प्रतिनिधि नहीं रह जाता जब वह अपनी पसंद या लाभ के अनुसार लोगों की इच्छा और भावना के विपरीत कार्य करता है। यह आचरण लोकतंत्र को दूषित कर देता है। राजनीतिक दल-बदल दो प्रकार के होते हैं- एक जनता से और दूसरा दल से। दोनों ही मामलों में यह जनादेश के साथ विश्वासघात और राजनीतिक व्यवस्था का विध्वंस है।

कोई भी व्यक्ति या कोई पार्टी अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने के वादे के साथ चुनाव लड़ती है और दूसरे दलों के सामने सार्वजनिक रूप से अपनी स्थिति बताती है। लोग उसकी नीतियों और जनता से किए गए वादों के आधार पर अपनी पसंद बनाते हैं। फिर यदि निर्दलीय निर्वाचित प्रतिनिधि या किसी दल का सदस्य जनता के जनादेश के

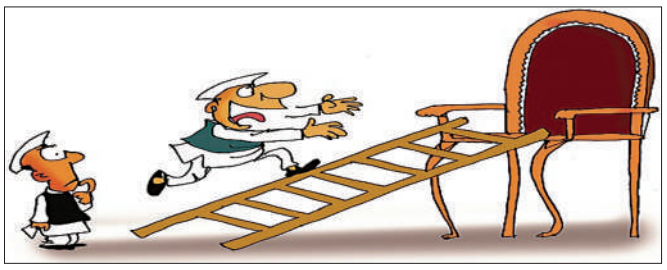

विपरीत व्यवहार करता है तो यह केवल राजनीतिक दल-बदल ही नहीं है, राजनीतिक धोखा भी है। ऐसी स्थिति में जनता खुद को ठगा महसूस करती है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से इस विश्वासघात की कोई सजा नहीं होती। इस प्रकार का दल-बदल सदन के बाहर होता है। दूसरा, हालांकि प्रतिनिधि सदनों में राजनीतिक दलों के दल-बदल को रोकने के लिए एक कानूनी ढांचा मौजूद है। बावजूद इसके, स्वार्थी लोग इसकी खामियों का फायदा उठाते हैं और एक राजनीतिक दल के दो-तिहाई से अधिक सदस्य थोक में दलबदल कर लेते हैं। चुने हुए प्रतिनिधियों को सरकार बनाने या गिराने के लिए पाला बदलने पर सत्ता और पैसों का लालच दिया जाता है। इस प्रकार का हथकंडा जनादेश को अर्थहीन बना देता है। यह देश में लोकतंत्र के स्थायित्व के लिए शुभ संकेत नहीं कहा जा सकता। इस राजनीतिक बीमारी से निपटने के लिए गंभीरता से कोई विचार नहीं किया गया है। इस गिरावट को रोकने के लिए कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति प्रदर्शित नहीं की गई। बल्कि किसी भी हाल में चुनाव जीतना और सरकार बनाना जुनून के स्तर तक पहुंच गया है। राजनीतिक प्रक्रिया में आ चुकी यह विकृति रोकने को कठोर उपाय किए जाने की जरूरत है। निर्वाचित प्रतिनिधियों के कदाचार का मुकाबला करने के लिए मतदाताओं द्वारा 'राइट टू रिकॉल' के उपाय पर विचार किया गया और बहस हुई। लेकिन इस उपाय को समाधान के बजाय अधिक जटिलताएं पैदा करने वाला माना गया। इसलिए इसे छोड़ दिया गया। निर्वाचित प्रतिनिधियों में दल-बदल की बढ़ती प्रवृत्ति रोकने का एकमात्र तरीका वर्तमान दल-बदल विरोधी अधिनियम को खत्म कर एक सरल और एकल प्रावधान के साथ इसे बदलना प्रतीत होता है। यदि कोई आजाद या पार्टी का सदस्य निर्वाचित होता है और चाहे किसी भी इरादे या कारण से किसी अन्य पार्टी में शामिल होने के लिए इस्तीफा दे देता है, तो उसे उस कार्यकाल में सदन में फिर से चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। या, उसके दोबारा निर्वाचित होने तक किसी भी सार्वजनिक कार्यालय में प्रवेश से रोक दिया जाए।

यह प्रावधान लोगों द्वारा चुनी गई सरकार को स्थिरता प्रदान कर सकता है, जो कि दल-बदल विरोधी अधिनियम का प्रमुख उद्देश्य है। इसी तरह, ऐसा कानूनी ढांचा विकसित किया जाना चाहिए जो यह सुनिश्चित करे कि कोई भी राजनीतिक दल चुनाव के दौरान लिए गए राजनीतिक स्टैंड और लोगों से किए गए वादों का हर हाल में पालन करे।

# बंटवारों के खिलाफ चेतना जगाने का विचार

विश्वनाथ सचदेव

कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक की एक यात्रा पूरी हो चुकी है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की लगभग पांच माह की इस यात्रा को भारत जोड़ो यात्रा नाम दिया गया था। अपने इस उद्देश्य में यात्रा कितनी सफल हुई है, यह आकलन तो आने वाला समय ही करेगा, पर इसमें कोई संदेह नहीं कि स्वयं राहुल गांधी की छवि में इस यात्रा से निखार के कई आयाम जुड़ गये हैं। पिछले आठ-दस साल में राहुल गांधी को एक अनिच्छुक और अपरिपक्व राजनेता के रूप में देखने-दिखाने की कोशिशों को कई-कई रूपों में देखा गया है। लेकिन इस यात्रा ने निश्चित रूप से उन्हें एक सक्षम और अपने उद्देश्य के प्रति उत्साह-भाव वाले व्यक्तित्व के रूप में प्रस्तुत किया है। इस यात्रा का क्या राजनीतिक लाभ हो सकता है, यह भी अभी सिर्फ अनुमान का विषय ही है, पर अपने आप में यह कोई छोटी सफलता नहीं है कि देश को जोड़ने की अपनी कल्पना को राहुल गांधी जन-मानस तक पहुंचाने में काफी हद तक सफल रहे हैं।

इस यात्रा से भी पहले, जब राहुल गांधी ने अपनी राजनीति की यात्रा शुरू की थी, तबसे उनके राजनीतिक विरोधी उन्हें उपहास की दृष्टि से देखने-दिखाने का प्रयास करते रहे हैं, पर अब कांग्रेस के इस 'अनिच्छुक' माने जाने वाले राजनेता के अभियान को देखते हुए देश की एक बहुत बड़ी आबादी यह मानने लगी है कि 'पप्पू पास हो गया'! यह सही है कि इस यात्रा की शुरुआत से ही कांग्रेस पार्टी यह कहती रही है कि यात्रा किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए नहीं आयोजित की गयी। यात्रा का घोषित उद्देश्य भारत जोड़ना रहा है। हालांकि जोड़ने वाली इस बात को लेकर कांग्रेस पार्टी के विरोधी अक्सर उपहास के स्वर में यह कहते रहे हैं कि भारत टूटा ही कहां है जिसे जोड़ने की बात कही जा रही है। कहा तो यह भी जा रहा था कि यदि कुछ जोड़ना ही है तो राहुल गांधी को यात्रा की शुरुआत पाकिस्तान से करनी चाहिए थी! भारत को जोड़ने की इस परिकल्पना में यात्रा की गंभीरता को कम करने की आकांक्षा ही नजर आती है।

बहरहाल, राहुल अपनी इस यात्रा में 'जोड़ने' की अपनी परिकल्पना को स्पष्ट करने की लगातार कोशिश करते दिखे हैं। बहुत हद तक सफल भी हुए हैं अपने इस प्रयास में। यह सही है कि देश को जोड़ने का सीधा-सा मतलब देश की सीमाओं को सुरक्षित रखना ही होता है। इस दृष्टि से देखें तो हमारी सेनाएं पूर्णतया सक्षम हैं। लेकिन समझने की बात यह है कि देश भीतर से भी दरक सकता है। स्वाधीन भारत का 75 साल का इतिहास हमारी उपलब्धियों का लेखा-जोखा तो है ही, इसमें ढेरों ऐसे संकेत भी छिपे हैं जो यह बता रहे हैं कि भीतर ही भीतर हम कहां-कहां दरक रहे हैं। हम विभिन्नता में एकता की बात करते हैं, इसे अपनी ताकत बताते हैं। गलत नहीं है यह बात, पर पूरी सच भी नहीं है। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, आर्थिक और सामाजिक विषमता के रूप में, न जाने कितना बंटे हुए हैं हम। ऐसा नहीं है कि अलग-अलग रंगों वाले हमारे नेता इस टूटन और बंटने को जानते-समझते नहीं हैं। लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते वे इसे देखकर भी अनदेखा करने के लिए मजबूर हैं। चोट इस मजबूरी पर होनी चाहिए, पर नहीं हो रही। राजनीति को सत्ता हथियाने और सत्ता में बने रहने का माध्यम मात्र मान लिया है हमारे राजनेताओं ने। स्वतंत्रता-प्राप्ति से पहले हमारे लिए राजनीति का मतलब स्वतंत्रता के लिए लड़ाई था। स्वतंत्र होने के बाद राजनीति का मतलब इस स्वतंत्रता की रक्षा करना होना चाहिए था। लेकिन सवाल स्वतंत्रता के मतलब को समझने का भी है। हमारे लिए स्वतंत्रता का मतलब विदेशी आधिपत्य को समाप्त करना ही नहीं था। स्वतंत्रता का मतलब होता है देश के हर नागरिक को सम्मान के साथ सिर ऊंचा करके जीने का अवसर और अधिकार। इस स्वतंत्रता में समता, न्याय और बंधुता के आदर्श जब जुड़ते हैं तब उसका सही अर्थ और औचित्य स्पष्ट होता है। राहुल गांधी की इस यात्रा का, अथवा किसी अन्य की भी ऐसी यात्रा का, उद्देश्य यही होना चाहिए कि वह देश में इस भावना को जाग्रत कर सके कि हम हिंदू या मुस्लिम या ईसाई या पारसी नहीं, हम सब भारतीय हैं। मेरे लिए 'भारत जोड़ो' का यही अर्थ है। यही बात इस यात्रा का विरोध करने वाले या उपहास उड़ाने वाले समझना नहीं चाहते। अपने-अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए वे कभी धर्म के नाम पर समाज को बांटते हैं, कभी-जाति के नाम पर। कभी भाषा के नाम पर वे हमारी पहचान को संकुचित बना देते हैं और कभी हमारी वेशभूषा के आधार पर हमें बांट देते हैं। आज आवश्यकता इन बंटवारों के खिलाफ चेतना जगाने की है।

जहां तक राहुल गांधी की पांच महीनों और बारह राज्यों की इस यात्रा का सवाल है, वे भले ही यह कहते रहें कि इसका कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है, पर इससे इनकार नहीं किया जाना चाहिए कि कांग्रेस पार्टी को इसका कुछ राजनीतिक लाभ मिल सकता है। इस दृष्टि से इसे सन् 2024 तक की यात्रा कहा जा सकता है। कांग्रेस की आवश्यकता भी इससे कुछ हद तक पूरी हो सकती है, पर देश की आवश्यकता कुछ और है। राहुल गांधी ने अपनी इस कोशिश को 'नफरत के बाजार में प्यार की दुकान' लगाने वाली बताया है। देश की दुखती रग पर उंगली रखी है उन्होंने। आवश्यकता नफरत की एक आंधी को विफल बनाने की है। बड़ा काम है यह। राहुल गांधी भी संकेत दे चुके हैं, और कांग्रेस पार्टी भी कह चुकी है कि वे शीघ्र ही ऐसी ही एक और राजनीतिक यात्रा शुरू कर सकते हैं।

## चीनी के साइड इफेक्ट्स

न्यूट्रिशनिस्ट भक्ति कपूर ने अपने हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया कि यदि आप नियमित रूप से ब्रेड, प्रोटीन बार, ब्रेकफास्ट सीरिल, केचप, योगर्ट या स्टोर से खरीदे हुए सलाद की ड्रेसिंग खा रहे हैं, तो आप बहुत अधिक चीनी का सेवन कर रहे हैं, जो बदले में आपके हार्ट, लिवर और ब्रेन सहित कई महत्वपूर्ण अंगों पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती है।

## छिन सकती है आंखों की रोशनी

हाई ब्लड शुगर शरीर में प्रत्येक रक्त वाहिका को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। हाई ब्लड शुगर से धुंधली दृष्टि, मोतियाबिंद, ग्लूकोमा और रेटिनोपैथी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। डायबिटीज वाले लोगों में इसी कारण से अंधेपन के मामले होते हैं। ज्यादा चीनी लिवर में वसा को बढ़ाने का काम करता है। लिवर पर चीनी (विशेष रूप से फ्रुक्टोज) का असर शराब की तरह ही होता है। ऐसे में अधिक मात्रा में चीनी का सेवन फैटी लिवर की बीमारी और मोटापे के जोखिम को बढ़ा सकता है।

# जहर से कम नहीं सुगर

कुछ अच्छा होने पर मीठा खाने की परंपरा भारत में सदियों से चली आ रही है। लेकिन हर खुशी को दोगुना करने वाला यह खाद्य पदार्थ दर्जन भर बीमारियों को भी जन्म देता है। इसलिए कम मात्रा में इसके सेवन की सलाह दी जाता ही। सिर्फ चीनी न खाने या बिना चीनी की चाय पीने से इससे बचा नहीं जा सकता है। लगभग हर पैकेज्ड फूड में चीनी मौजूद होता है। ऐसे में इसे खाने से बचना एक कठिन काम हो सकता है। बहुत अधिक चीनी धमनियों को सख्त कर देती है और हृदय के ऊतकों को नुकसान पहुंचाती है। चीनी मैग्नीशियम जैसे खनिजों को कम करती है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। क्योंकि चीनी इंसुलिन प्रतिरोध से संबंधित होता है, इसलिए इससे हाई बीपी, हार्ट डिजीज, डायबिटीज, दिल का दौरा और स्ट्रोक का खतरा बना रहता है। क्योंकि चीनी अधिक खाने से कई अंग खराब होने लगते हैं। इसलिए बिना देरी किये अपनी खाने की प्लेट से चीनी से बनीं चीजें हटा लें।

## बिगड़ती है डेंटल हेल्थ

चीनी के सेवन से दांतों की सड़न और मसूड़ों की बीमारी होती है। खराब डेंटल हेल्थ रोग का कारण बन सकता है क्योंकि इसके माध्यम से रोगजनकों बैक्टीरिया पेट में पहुंचते हैं। ये खराब बैक्टीरिया लीकी आंत, हृदय रोग और खराब स्वास्थ्य में योगदान कर सकते हैं।

## त्वचा में हो सकती है सूजन

चीनी से इंसुलिन को बढ़ाता है, जो सूजन, मुंहासे, रोसैसिया, सोरायसिस और एक्जिमा जैसी स्थितियों को बदतर बनाती है। चीनी कोलेजन को तोड़कर झुर्रियों का कारण भी बनता है। इसके अलावा यह एलर्जी त्वचा प्रतिक्रियाओं को भी खराब करता है। इसके अलावा दांतों से जुड़ी कोई परेशानी से भी चेहरे पर सूजन का कारण बन सकती है। खास तौर से दांतों में इंफेक्शन, मसूड़ों में दर्द और सूजन इसके प्रमुख कारण हो सकते हैं।

## मीठे से आंतों में पनपते हैं खराब बैक्टीरिया

मीठे फूड्स बीमारी का कारण बनने वाले खराब बैक्टीरिया के लिए भोजन का काम करते हैं। ऐसे में ज्यादा मीठा खाने से आंत के अच्छे और बुरे बैक्टीरियां का संतुलन बिगड़ने लगता है, जो कमजोर इम्यूनिटी, सूजन और पोषक तत्वों के खराब अवशोषण को बढ़ावा देता है।

## हो सकती हैं कई दिमागी बीमारी

चीनी नशीले पदार्थ की तरह होता है, जो दिमाग के कार्यक्षमता को प्रभावित करता है। अधिक मात्रा में इसके सेवन से ब्रेन फॉग, चिंता, सिरदर्द, लो एनर्जी, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन, क्रेविंग हो सकता है। लंबी अवधि में, यह समझने में परेशानी, याददाश्त में कमी और यहां तक कि अल्जाइमर के विकास में भी योगदान कर सकता है।

## हंसना मना है

मालकीन रो रही थी, तभी जाकर नौकरानी ने पुछा: क्या हुआ मालकीन? मालकीन: मुझे शक है की तेरे मालिक का, ऑफिस में किसी दूसरे लड़की के साथ चक्कर है। नौकरानी: नहीं मालकीन, ऐसा मत सोचिए, मालिक मुझे धोका नही दे सकते!

लड़का: कल से हम कही और मिलेंगे लड़की: वाईफ- अगर मैं माउंट एवरेस्ट पर चढूं तो आप मुझे क्या दोगे? हसबंड- पगली, इसमें पूछने वाली क्या बात है। धक्का।

मक्खी गंजे के सर पर बैठी थी, दुसरी ने कहा वाह.! क्या घर मिला है तुझे। पहली मक्खी : नही रे, अभी तो सिर्फ प्लॉट खरीदा है..!

अपना बच्चा रोये तो दिल में दर्द होता है, और दुसरे का रोये तो सिर में। अपनी बीवी रोये तो सिर में दर्द होता है, और दुसरे की रोये तो दिल में।

पूरी शराब की बोतल ही गटक ली आज उसने। बीवी ने तो सिर्फ इतना ही कहा था के आज 'पीके' दिखा दो।

एक आदमी राम मंदिर गया और रोने लगा, हे राम मेरी बिवी खो गयी, राम जी बोले, बाजूवाले हनुमान मंदिर मे जाके बोल, मेरी भी उसी ने खोजी थी।

## कहानी | एक घमंडी हाथी और चींटी

एक बार की बात है। किसी जंगल में एक हाथी रहता था। उसे अपने शरीर और अपनी ताकत का बहुत घमंड था। उसे रास्ते में जो भी जानवर मिलता, वो उसे परेशान करता और डरा कर भगा देता। एक दिन वह कहीं जा रहा था। रास्ते में उसने एक पेड़ पर एक तोते को बैठा देखा और उससे अपने सामने झुकने के लिए बोला। तोते ने झुकने से मना कर दिया, तो गुस्से में आकर हाथी ने वो पेड़ ही उखाड़ दिया, जिस पर तोता बैठा था। तोता उड़ गया और हाथी उसे देख कर हंसने लगा। फिर एक दिन हाथी नदी के किनारे पानी पीने के लिए गया। वहीं पर चींटियों का छोटा-सा घर था। एक चींटी बड़ी मेहनत से अपने लिए खाना इकट्ठा कर रही थी। यह देख हाथी ने पूछा कि तुम क्या कर रही हो, तो चींटी ने कहा कि बरसात का मौसम आने से पहले अपने लिए भोजन जमा कर रहीं हूं, ताकि बारिश का मौसम बिना किसी परेशानी से निकल जाए। यह सुन कर हाथी के मन में शरारत सूझी और उसने अपनी सूंड़ में पानी भर कर चींटी के ऊपर डाल दिया। पानी से चींटी का भोजन खराब हो गया और वो पूरी भीग गई। यह देखकर चींटी को बहुत गुस्सा आया और उसने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का सोचा। फिर एक दिन चींटी को मौका मिल ही गया कि वो हाथी को सबक सिखा सके। हाथी भोजन करके हरी घास पर सो रहा था। चींटी सोते हुए हाथी की सूंड़ में घुस गई और अंदर से उसे काटने लगी। जैसे ही चींटी ने हाथी को काटा, हाथी दर्द के मारे जोर-जोर से रोने लगा और मदद के लिए पुकारने लगा। चींटी ने हाथी के रोने की आवाज सुनी और सूंड़ से बाहर निकल आई। हाथी उसे देख कर डर गया और अपने किए की माफी मांगी। जब चींटी को महसूस हुआ कि हाथी को अपनी गलती का अहसास हो गया है, तो उसने हाथी को माफ कर दिया। हाथी अब बिलकुल बदल गया और उसने वादा किया कि अब वो किसी को नहीं सताएगा और दूसरों की मदद करेगा।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा।

**वृषभ**

दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

**मिथुन**

नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

**कर्क**

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

**सिंह**

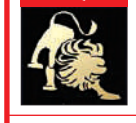

परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे।

**कन्या**

कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

**तुला**

किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

**वृश्चिक**

चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

**धनु**

जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी।

**मकर**

भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

**कुम्भ**

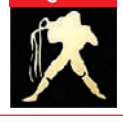

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

**मीन**

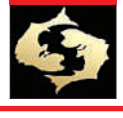

दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

# गोविंदा, शाहरुख, करिश्मा को देखने स्कूल बंक करके जाया करती थी : आलिया

आलिया भट्ट आज बॉलीवुड की नंबर वन हीरोइन हैं। सालों की कड़ी मेहनत के बाद आलिया ने यह मुकाम हासिल किया है। स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपने करियर की शुरुआत करने वालीं आलिया हाईवे, डियर जिंदगी, राजी, ब्रह्मास्त्र जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुकी हैं। कई साल पहले आलिया भट्ट जब रजत कपूर के शो आप की अदालत में पहुंची थीं, तब उन्होंने अपनी लाइफ से जुड़े कई शॉकिंग खुलासे किए थे। इस इंटरव्यू में आलिया ने अपने स्कूल डेज से लेकर कॉलेज के दिनों को याद किया था। इस इंटरव्यू में आलिया से पूछा, क्या आप गोविंदा, शाहरुख, करिश्मा को देखने स्कूल बंक करके जाया करती थीं? जिस पर आलिया मुस्कुराते हुए जवाब देती हैं, कभी कभी बंक करती थी। पर एक्चुअली संडेज को इतने सारे फिल्म्स आते थे तो मैं बस टीवी के सामने अपने आप को पार्क करती थी और वहां पर बैठकर सारी फिल्में देखती थी। जाहिर है सभी यंगस्टर उस दौर से गुजरता है, जब आपको किसी की फिल्म देखने के लिए बंक करना पड़ता है। क्योंकि इतना टाइम नहीं मिलता है फिर। पढ़ाई भी करनी है मूवी भी देखना है। बहुत काम है इस इंटरव्यू में आलिया यह भी मानती हैं कि वे कुछ-कुछ होता है जैसी फिल्म में काम करना चाहती थीं। वे अपने आप को लकी समझती हैं कि उन्हें करण जौहर की फिल्म से डेब्यू करने का मौका मिला। ये उनके लिए किसी सपने के सच होने से कम नहीं था। बात करें वर्क फ्रंट की तो आलिया को आखिरी बार रणबीर कपूर के साथ फिल्म ब्रह्मास्त्र में देखा गया था, जो कि ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। आने वाले समय में एक्ट्रेस रणवीर सिंह के साथ रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में दिखाई देंगी।

# लीड रोल के बदले प्रोड्यूसर ने रखी थी अहम मांग : नयनतारा

बॉलीवुड | मसाला

साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री जल्द शाहरुख खान के साथ जवान से बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं, लेकिन इस बार वह किसी फिल्म नहीं बल्कि कास्टिंग काउच को लेकर किए गए खुलासे को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में नयनतारा ने खुलासा किया कि करियर के शुरुआती दिनों में उन्हें कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा था। दरअसल, हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू के दौरान नयनतारा ने खुलासा किया है कि उन्हें भी कास्टिंग काउच का शिकार होना पड़ा था। एक्ट्रेस ने कास्टिंग काउच को लेकर अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि एक फिल्म में लीड रोल देने के बदले प्रोड्यूसर ने उनसे कुछ मांगें रखी थीं। हालांकि नयनतारा ने फिल्म में रोल और किसी भी मांग को पूरा करने के लिए मना कर दिया था। अभिनेत्री ने फिल्म और प्रोड्यूसर के नाम का खुलासा नहीं किया। इसके आगे नयनतारा ने अपने पति और फिल्म निर्माता विग्नेश शिवन के बारे में बात की और कहा कि उनके प्यार ने उनके जीवन को इस हद तक शांत कर दिया है कि वह जीवन के बारे में व्यवस्थित महसूस करती हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मुझे अब किसी भी चीज के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। अगर कोई मेरी आलोचना करता है या किसी भी तरह की बुरी स्थिति के दौरान भी, अगर वह मेरे साथ है, तो यह सब ठीक रहेगा। नयनतारा के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म कनेक्ट दिसंबर 2022 में रिलीज हुई थी।

# हाथ में बंदूक थामे लेडी डॉन के अंदाज में दिखीं अनुष्का सेन

अनुष्का सेन देखते ही देखते सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। ऐसे में अब फिर से एक्ट्रेस का स्टाइलिश लुक देखने को मिला है। लेटेस्ट फोटोज में अनुष्का लेडी डॉन जैसे लुक में दिखाई दे रही हैं। उन्होंने इस फोटोशूट के लिए ब्लैक जीन्स, मैचिंग का टॉप और ब्लैक कलर लैदर जैकेट पहनी है। इसके साथ उन्होंने ब्लैक कलर के ही बूट्स कैरी किए हैं। एक्ट्रेस ने इस फोटोशूट के लिए हाथ में गन थामकर स्वैग में पोज दिए हैं। अनुष्का ने अपने इस लुक को सटल बेस और रेड लिपस्टिक से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने बालों की लो पोनीटेल बनाई है। अनुष्का पहली बार यहां काफी अलग और स्टाइलिश अंदाज में दिखाई दे रही हैं। उन्होंने अपने इस लुक को फ्लॉन्ट करते हुए कैमरे के सामने कई पोज दिए हैं। एक तस्वीर में अनुष्का के साथ कोरियन स्टार्स भी दिखाई दे रहे हैं। अब फैंस के बीच उनका ये लुक भी खूब वायरल हो रहा है। अनुष्का उन कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने बहुत छोटी सी उम्र में एक ऊंचा मुकाम हासिल कर लिया है। दुनियाभर के लोग आज एक्ट्रेस की अदाओं पर फिदा रहते हैं। ऐसे में अनुष्का भी फैंस के साथ जुड़े रहने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देतीं। अक्सर उनकी फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाते हैं। गौरतलब है कि अनुष्का टीवी शोज से लेकर फिल्मों, वेब सीरीज और म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने हर अंदाज में दर्शकों के सामने खुद को साबित किया है। फिलहाल कुछ समय से एक्ट्रेस कोरियन ड्रामा को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। उन्हें जल्द ही कोरियन फिल्म इंडस्ट्री में भी देखा जाने वाला है।

अजब-गजब | यहाँ माना जाता है भूतों का बसेरा

# इन हवेलियों का नाम सुनकर कांप जाती है रूह

भानगढ़ का किला भारत में सबसे भूतिया जगहों में से एक है। यहां तक की सरकार भी इस तथ्य से अवगत है कि इसके खंडहरों में आत्माएं घूमती हैं। शायद यही कारण है कि सूर्यास्त के बाद विजिटर के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐतिहासिक संरचना पर खतरों के बारे में सख्त चेतावनी दी गई है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह एक जादूगर द्वारा शापित है।

**मुकेश मिल्स, मुंबई:** 1870 में निर्मित मुकेश मिल्स एक और भूतिया जगहों में से एक है। खबरों के मुताबिक, एक बार एक एक्ट्रेस भूत के साए में आए गई थी और उसने कर्मचारियों से डरावने मर्द की आवाज में उस जगह को खाली करने को कहा। कहा जाता है कि बिपाशा बसु ने भी यहां असाधारण घटनाओं का अनुभव किया है।

**सेवॉय होटल, मसूरी:** 1911 की गर्मियों में फ्रांसेस गार्नेट-ओर्मे नाम की एक अध्यात्मवादी अपनी सहेली के साथ होटल में रुकी थी। एक रात, होटल के कर्मचारियों ने उसे जहर देकर मार डाला। इसने रहस्यमय घटनाओं की एक सीरीज को जन्म दिया, जिनमें से कुछ लोगों की मृत्यु भी हुई। विजिटर ने देर रात को परेशान करने वाली आवाजें और लॉबी में गूंजती चलने की आवाज़ सुनने की सूचना दी है। कहानी का उल्लेख अगाथा क्रिस्टी की द मिस्टीरियस अफेयर एट स्टाइल्स और रस्किन बॉन्ड की रस्किन बॉन्ड की क्रिस्टल बॉल - ए मसूरी मिस्ट्री में मिलता है।

**जीपी ब्लॉक, मेरठ:** यदि आप मेरठ में इस परिसर की यात्रा के दौरान चार पुरुषों को मोमबत्ती की रोशनी में बियर पीते हुए देखते हैं या लाल रंग में एक महिला गुजरती है, तो बस चलते रहें जब तक कि वे दृष्टि से ओझल न हो जाएं। एक कारण यह भी है कि लोग जीपी ब्लॉक को पूर्वाभास मानते हैं।

**अग्रसेन की बावली, दिल्ली:** कहा जाता है कि अग्रसेन की बावली में दिन में पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है और रात में आत्माओं का। अफवाह यह भी है कि यह जगह कभी काले पानी से भरी हुई थी, जो आने वाले लोगों को पानी से भरी कब्र तक जाने के लिए लुभाती थी। इस जगह को हाल ही में पीके फिल्म में दिखाया गया था, जिसमें आमिर खान का कैरेक्टर इसकी लंबी पत्थर की सीढ़ी पर फिल्माया गया था।

**द चर्च ऑफ थ्री किंग्स, गोवा:** इस चर्च के पीछे की कहानी इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि क्यों दुनिया में मनुष्य की आवश्यकता के लिए पर्याप्त है, लेकिन उसके लालच के लिए नहीं। अतीत में तीन पुर्तगाली राजा हमेशा गोवा राज्य के लिए लड़ते थे। अंत में, उनमें से एक ने अन्य दो को इस प्रसिद्ध द चर्च ऑफ थ्री किंग्स में मिलने के लिए बुलाया और उन्हें जहर दे दिया। जब लोगों को पता चला कि राजा ने क्या किया है, तो वे खून से लथपथ भीड़ में उसके पीछे आए। पब्लिकली पीट-पीटकर मार डाले जाने से अधमरा होकर उसने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। तीनों को एक ही चर्च में दफनाया गया था। यह भारत में एक भूतिया जगहों में से एक है

**अलेया घोस्ट लाइट्स, पश्चिम बंगाल:** क्या आपको वे बातें याद हैं जिनका मेरिडा ने ब्रेव में अनुसरण किया था? ङ्खद्बद्यद्यश्चह्य रात में देखी जाने वाली एक घटना है, ज्यादातर दलदल और दलदल के आसपास होती है। पश्चिम बंगाल में आलेया घोस्ट लाइट्स ऐसी ही एक जगह है। कहा जाता है कि इस क्षेत्र में एक मछुआरे की आत्मा निवास करती है और लाइट के पैटर्न को उसके अस्तित्व में रहने वाले शरीर की रूपरेखा माना जाता है। क्षेत्र के मछुआरों का मानना है कि विसप्स आसन्न कयामत का संकेत हैं।

# क्यों होती है जैकेट के कंधों पर ऐसी पट्टी? शायद नहीं जानते होंगे जवाब!

सोशल साइट कोरा पर कई ऐसी चीजों के बारे में पढ़ने-सुनने को मिल जाता है, जिसके बारे में हममें से ज्यादातर लोगों को जानकारी ही नहीं होती है। कभी कोई यूजर नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी से जुड़ा सवाल करता है, तो कभी कोई प्रेग्नेंसी टेस्ट से जुड़े हैरानीजनक तथ्यों के बारे में जानना चाहता है। इस सोशल साइट्स पर मौजूद यूजर्स भी इन सवालों का जवाब बड़े ही लॉजिक के साथ देते हैं। ऐसा ही एक सवाल था कि जैकेट के कंधों पर पट्टियां क्यों बनी होती हैं? इसका जवाब भी दिलचस्प है, जिसके बारे में ज्यादातर लोगों को नहीं पता होगा। दरअसल, आपने देखा होगा कि ठंड से बचने के लिए जिन जैकेटों का इस्तेमाल हम करते हैं, उनके कंधों पर पट्टियां बनी होती हैं। लेकिन वो किस काम के लिए हैं, इसकी जानकारी नहीं होती। हम यही मान के चलते हैं कि शायद फैशनेबल बनाने के लिए ऐसा किया गया होगा। लेकिन असल में ऐसा बिल्कुल नहीं है। आपने अबतक जितने भी जैकेट्स में ऐसी पट्टियों को लगे देखा होगा, उन सभी में एक बटन भी रहता है। इस बटन को आप खोल सकते हैं। तो बात करते हैं पट्टियों की। आखिर क्यों लगी होती हैं? दरअसल, इन पट्टियों का काम बेहद महत्वपूर्ण है। इसका उपयोग बैग या पर्स के स्ट्रैप को कंधे पर टिकाने में किया जाता है। इस वजह से पट्टियों में बटन लगा रहता है। इससे आपका लैपटॉप बैग हो या फिर महिला का पर्स, वो जरा भी नीचे नहीं खिसकेगा। आए दिन सोशल साइट्स पर भी लोग ऐसे सवाल उठाते हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट कोरा पर यूजर्स अक्सर ऐसे सवाल पूछते हैं, जो आम जन से जुड़ा होता है। उसी क्रम में कई यूजर्स ने इसके उपयोग के बारे में बताया। कई लोगों ने अपने कमेंट में लिखा कि आधी उम्र निकल जाने के बावजूद अब तक इसके बारे में जानकारी नहीं थी, लेकिन वाकई में ये दिलचस्प है। कुेछ यूजर्स ने लिखा कि हम अब तक इसे स्टाइल सिम्बल समझते थे, लेकिन असली काम जानकर मजा आ गया। बता दें कि इन पट्टियों का इस्तेमाल आज से सैकड़ों साल पहले से किया जाता रहा है। किसी भी फोर्स की वर्दी में ऐसी पट्टियां होती हैं। दरअसल, फोर्स की वर्दी में इन पट्टियों का इस्तेमाल बंदूक को टांगने में किया जाता था, ताकि सरककर वो अपने आप नीचे न गिरने लगे।

# मोदी सरकार खा गई सारी नौकरियां : ममता बनर्जी

**» पश्चिम बंगाल की सीएम ने कहा कि केंद्र के बजट में बेरोजगारों के लिए कुछ भी नहीं है**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र पर हमला बोलते हुए कहा कि जब चुनाव आता है तो बीजेपी कहती हैं हम 2 करोड़ नौकरी देंगे। जब चुनाव खत्म हुआ तो सारी नौकरी खा जाते हैं। पश्चिम बगाल की सीएम ने कहा कि केंद्र में बजट पेश किया गया। बजट में बेरोजगारों के लिए कुछ भी नहीं है। उनके लिए वित्त मंत्री ने एक शब्द खर्च नहीं किया।

सारे उद्योग धंधे बंद करा दिए हैं। सरकार गिर रही थी। क्योंकि शेयर बाजार गिर गया था। शेयर बाजार को खड़ा करने को सभी से फोन कर पैसे मांगे गए।

अगर लोगों ने पैसे नहीं दिए होते तो सरकार गिर ही जाती। शेयर बाजार गिर गया था। छह-आठ लोगों को फोन कर पैसे मांगे गए। किसी से 20 हजार करोड़, तो किसी से 30 हजार करोड़ तो किसी से कोई 10 हजार करोड़ रुपये मांगे गए।

## मोदी सरकार गिर ही जाती

केंद्रीय बजट को लेकर अभी देशभर में घमासान जारी है। ऐसे में ममता बनर्जी ने केंद्र की मोदी सरकार के गिर जाने का दावा किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि कल तो मोदी सरकार गिर ही जाती। जानते हैं क्यों? क्योंकि शेयर बाजार में भूचाल आ गया था। तब दूसरे लोगों से मदद ली गई। गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने अडानी ग्रुप को लेकर यह बातें कही। ममता बनर्जी ने यह भी कहा, जिनके शेयर गिर रहे थे, उनसे पैसे देने को कहा गया। हम उन लोगों के नाम जानते हैं जिन्हें बुलाया गया था। लेकिन मैं किसी का नाम लेकर कुछ भी कहना नहीं चाहती।

# दवाओं की जानकारी मांगी तो विकलांग को बेरहमी से पीटा, डॉक्टरों पर केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**» गोरखपुर के बीआरडी कॉलेज में हुई घटना**

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर के ऊपर स्थित पीओपी सर्जरी वार्ड में भर्ती महिला को देखने आए दिव्यांग तीमारदार पति- पत्नी को जूनियर डॉक्टरों ने बेरहमी से पिटाई की थी। इस मामले में उच्च अधिकारियों की जांच के बाद केस दर्ज कर लिया गया।

बता दें कि देवरिया जिले के मदनपुर निवासी शैला देवी (65) पत्नी रामदेवान को बृहस्पतिवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर के ऊपर स्थित पीओपी वार्ड के सर्जरी विभाग में भर्ती कराया गया है। उनके पेट का ऑपरेशन हुआ है। शुक्रवार दोपहर मरीज शैला देवी का भतीजा अजय कुमार अपनी पत्नी सुनीता के साथ बीआरडी मेडिकल कॉलेज देखने आए थे। अजय बाएं पैर से दिव्यांग हैं। दवा इलाज के बारे में अजय डॉक्टरों से पूछने लगे थे, इसी बात से नाराज होकर जूनियर डॉक्टरों ने गाली देकर भगा दिया। तीमारदार ने गाली देने से मना किया तो जूनियर डॉक्टर धक्का देना शुरू कर दिया तो वह मोबाइल फोन से वीडियो बनाने लगा तो डॉक्टरों ने मोबाइल फोन छिन लिया। जूनियर डाक्टरों ने 20 से 25 की संख्या मे हॉस्टल से और जूनियर डाक्टरों को बुला लिए, उसके बाद तीमारदार को वार्ड से घसीटते हुए लात जूतों चप्पलों व डंडे से मारते हुए सीढ़ी से घसीटते नीचे लेकर ट्रामा सेंटर जाने लगे। बीच बचाव करने पहुंची पत्नी सुनीता की भी जूनियर डॉक्टरों ने पिटाई कर दी।

# मुरादाबाद में माहौल बिगाड़ने का प्रयास घर के बाहर खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। मुरादाबाद में शरारती तत्वों ने माहौल खराब करने की कोशिश की। सिविल लाइंस क्षेत्र में लोकोशेड पुल के पास शुक्रवार रात घरों के बाहर खड़ी सात गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए गए और मंदिर में मूर्तियां खंडित करने की कोशिश की।

शनिवार सुबह लोग जागे तो इस घटना की जानकारी हो सकी। इस दौरान घटनाएं से गुस्साएं लोगों ने लोकोशेड पुल पर जाम लगाकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर जाम खुलवा दिया।

घटना लोकोशेड पुल से चंद्र नगर जाने वाले रास्ते की है। रोज की तरह लोग अपने वाहन घरों के बाहर खड़े करने के बाद सो गए थे। रात में किसी समय शरारती तत्व पहुंच गए और उन्होंने एक के बाद एक छह कारों और एक छोटा हाथी वाहन के शीशे

तोड़ दिए। इसके बाद अलावा लोकोशेड पुल के नीचे स्थित मंदिर का दान पत्र तोड़ और मूर्तियां भी खंडित की। शनिवार सुबह लोग जागे तो घटना की जानकारी हो पाई। कुछ ही देर में आस पड़ोस के लोगों की काफी भीड़ मौके पर जुट गए और उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच शुरू की। इसी बीच कुछ लोगों ने चंद्र नगर रोड पर क्षतिग्रस्त गाड़ियां लगाकर जाम लगा दिया। पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया तो भीड़ लोकोशेड पुल पर पहुंच गई और दिल्ली रोड पर जाम लगा दिया।

# दयाल ग्रुप के प्रबंध निदेशक राजेश सिंह को मिला श्रीलंका में क्वालिटी मेंटर अवार्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजेश सिंह प्रबंध निदेशक दयाल ग्रुप और चेयरमैन कुंवर ग्लोबल स्कूल को श्रीलंका में क्वालिटी मेंटर अवार्ड से सम्मानित किया गया। 30 जनवरी को कोलंबो, श्रीलंका में भंडारनायके मेमोरियल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस हॉल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में शिक्षा और समाज सेवा में उनकी उत्कृष्ट पहल की सराहना के लिए श्रीलंका के प्रधान मंत्री दिनेश गुणवर्धने ने यह सम्मान दिया।

इस शिखर सम्मेलन में श्रीलंका के कई गणमान्य व्यक्ति, शिक्षा मंत्री डॉक्टर सुसिल प्रेमजयंथा, जनसंचार मंत्री , परिवहन और राजमार्ग मंत्री डॉक्टर बंदुला गुणवर्धने, संसद सदस्य प्रोफेसर रंजीत बंडारा शामिल थे। राजेश सिंह ने सम्मान प्राप्ति के पश्चात् गर्व से भारत और श्रीलंका की भौगोलिक और सांस्कृतिक समानताओं का उल्लेख किया। राजेश सिंह ने अपने अंतिम चरण के भाषण में कहा कि

रामायण में इतने सारे अध्याय हैं लेकिन रामायण कभी भी लंका अध्याय के बिना पूरी नहीं हो सकती है, इसी तरह इस वास्तविक दुनिया में भारत श्रीलंका पूर्ण और एक दूसरे का पूरक है और यही एक पड़ोसी देश के रूप में हमारी सुंदरता है। श्रीलंका के प्रधान मंत्री ने राजेश सिंह की विचारधाराओं की प्रशंसा की और उद्धृत किया कि राजेश सिंह जैसे लोगों की सक्रिय भागीदारी इस समाज को एक बेहतर जगह बनाती है।

# घरों में पड़ी दरार के बाद जोशीमठ के लोगों पर अब डिप्रेशन का वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। घरों में पड़ी दरारों की दहशत से अभी जोशीमठ के लोग उबरे भी नहीं है कि अब उन्हें डिप्रेशन का शिकार बनाना पड़ रहा है। घर, बच्चों की पढ़ाई की चिंता समेत अन्य समस्याओं से जूझ रहे जोशीमठ के कई लोग डिप्रेशन और एंजायटी के शिकार हो गए हैं। ये लोग हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर न्यूरो साइकोलॉजिस्ट से समाधान मांग रहे हैं। डॉक्टर काउंसिलिंग कर उन्हें उचित सलाह दे रहे हैं।

धंसते जोशीमठ में सैकड़ों लोगों को अपना आशियाना खाली करना पड़ा। बच्चों के स्कूल छूटे और लोग इधर से उधर भटकने लगे तो उनमें उम्मीद की किरण भी धुंधली हो गई। भविष्य में क्या होगा, कब नया घर मिलेगा, बच्चों की आगे की पढ़ाई कैसे होगी, इन सभी सवालों में उलझे लोग मानसिक रूप से परेशान हो गए हैं। तनाव अधिक होने की वजह से डिप्रेशन और एंजायटी के शिकार हो गए हैं। इन लोगों की काउंसिलिंग के लिए एक फाउंडेशन ने समाजसेवियों और मीडिया के जरिये हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। इसके बाद लोगों के फोन आने शुरू हुए। अब तक करीब एक दर्जन लोग फोन कर सलाह ले चुके हैं। फाउंडेशन की ओर से जोशीमठ के स्कूलों के बच्चों के साथ ऑनलाइन संवाद भी हुआ।

**हेल्पलाइन पर मांग रहे मदद**

## माता-पिता बच्चों की पढ़ाई के लिए चिंतित

इन समस्याओं से जूझ रहे हैं लोग फाउंडेशन की फाउंडर एवं न्यूरो साइकोलॉजिस्ट डॉ. सोना कौशल गुप्ता ने बताया कि जोशीमठ के प्रभावित बच्चे, बड़े और बुजुर्ग सब परेशान हैं। बुजुर्गों को एंजायटी, सीजनल एफेक्टिव डिसऑर्डर (एसएडी) की समस्या ज्यादा देखने को मिल रही है। यह सीजनल समस्या है। लेकिन, हर बार की अपेक्षा इस बार यह समस्या अधिक है। वहीं, माता-पिता बच्चों की पढ़ाई के लिए चिंतित हैं। बच्चे भी गुमसुम हो गए हैं। कुछ बच्चे अपने बोर्ड एग्जाम को लेकर परेशान हैं। प्रीबोर्ड में उनके नंबर कम आए हैं और अब उन्हें आगे के एग्जाम की चिंता हो रही है।

# सिपाही को बोनट पर लटकाकर दो किलोमीटर तक दौड़ाई कार, अरेस्ट

**» चेकिंग के दौरान गाजियाबाद की है घटना**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**गाजियाबाद। गाजियाबाद में चेकिंग के दौरान कार सवार युवक ने ट्रैफिक पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल को टक्कर मार दी। वह बोनट के ऊपर आ गिरा। इसके बावजूद कार नहीं रुकी और हेड कांस्टेबल को करीब 2 किलोमीटर तक बोनट पर घुमाया। वह 5 मिनट तक चींखता-चिल्लाता रहा। जिसके बाद अचानक कार के सामने बाइक आ गई। टक्कर लगने के बाद कार रुक गई। पुलिस ने कार ड्राइवर और उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि तीसरे साथी की तलाश कर रही है।**

ट्रैफिक पुलिस के सब इंस्पेक्टर अनुराग यादव, हेड कांस्टेबल अंकित कुमार यादव, प्रेमपाल और सुनील कुमार इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में शिप्रा मॉल कट पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान हाईवे से शहर के अंदर आ रही हरियाणा नंबर की टाटा एल्टोस कार को रुकने का इशारा किया। कार में ड्राइवर के अलावा दो और लोग बैठे हुए थे। ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं पहनी हुई थी। हेड कांस्टेबल अंकित कुमार यादव ने बताया, ड्राइवर ने रोकने की जगह कार की रफ्तार तेज करते हुए उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में हेड कांस्टेबल अंकित कार के बोनट के ऊपर आ गिरे और फिर ड्राइवर इस कार को नेशनल हाईवे-9 की सर्विस लेन से शहर के अंदर लेकर भागा। वह कार के बोनट पर करीब 2 किलोमीटर तक ऐसे ही लटके रहे। उधर, ट्रैफिक पुलिस के बाकी साथी भी इस कार का पीछा कर रहे थे। हड़बड़ाहट में कार ने दो बाइकों को टक्कर भी मारी। आम्रपाली सोसाइटी के सामने अचानक एक बाइक इस कार के सामने आ गई। बाइक से टकराकर कार रुक गई और हेड कांस्टेबल अंकित नीचे सड़क पर गिर गए। इतने में पीछे से आ रहे पुलिसकर्मियों ने कार के ड्राइवर को पकड़ लिया, जबकि उसके दो साथी भाग निकले। पुलिस ने ड्राइवर की पहचान अभी त्यागी के रूप में की है। वह इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के मकनपुर गांव का रहने वाला है। उसका पकड़ा गया साथी अक्षित त्यागी है जो हरियाणा में जिला सोनीपत के गनौर गढ़ी केसरी गांव का निवासी है। फरार हुए तीसरे साथी की पहचान रक्षित त्यागी निवासी सोनीपत के रूप में हुई है। तीनों आपस में दोस्त हैं। अंकित कुमार यादव ने तीनों आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमला समेत अन्य गंभीर धाराओं में थाना इंदिरापुरम में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपियों की कार भी जब्त कर ली है। इंदिरापुरम थाने के एसएचओ देवपाल सिंह ने बताया कि ड्राइवर अभी त्यागी गाजियाबाद के होटल ब्लू स्टोन में जॉब करता है। जबकि अक्षित और रक्षित उसके रिश्तेदार हैं जो सोनीपत से गाजियाबाद आए हुए थे।

# बीजेपी नेता पर मुख्य गवाह पर जानलेवा हमला करवाने का आरोप

4पीएम न्यूज नेटवर्क

**» गुजरात का अमित जेठवा हत्याकांड**

**गांधी नगर। गुजरात को दहला देने वाले अमित जेठवा हत्याकांड के मुख्य गवाह धर्मेंद्र गिरी गोस्वामी ने बीजेपी के पूर्व मंत्री दीनू बोघा सोलंकी और उनके भतीजे शिवा सोलंकी पर शुक्रवार (3 फरवरी) को जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया। पुलिस को तुरंत घटना की सूचना दी गई, लेकिन शाम तक किसी भी अधिकारी ने एफआईआर दर्ज नहीं की।**

गोस्वामी ने आरोप लगाया है कि सोलंकी के गुर्गों ने उन पर हमला करने से पहले शिकायत वापस लेने की धमकी दी थी। हमले के बाद फिलहाल उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। सीबीआई कोर्ट ने सूचना के अधिकार एक्टिविस्ट अमित जेठवा की हत्या के मामले में पूर्व सांसद दीनू बोघा सोलंकी और उनके भतीजे शिवा सोलंकी सहित सभी आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। मामले का मुख्य गवाह होने के नाते, गोस्वामी के बेटे को अदालत में पेश होने से रोकने के लिए उसका अपहरण कर लिया गया था।

# रोडवेज बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर, पांच की हालत गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**शाहजहांपुर। पलिया हाईवे पर खुटार थाना क्षेत्र में गांव लक्ष्मीपुर के पास रोडवेज बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दो दर्जन यात्री घायल हुए हैं। पांच यात्रियों की हालत गंभीर होने के चलते उनको शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।**

शुक्रवार शाम शाहजहांपुर डिपो की बस मथुरा से गौरीफंटा के लिए निकली थी। शनिवार सुबह करीब छह बजे बस शाहजहांपुर से गौरीफंटा की ओर रवाना हुई। आठ बजे खुटार पुवायां के बीच गोमती नदी के पुल के पास बस खुटार की ओर से आ रहे ट्रक से टकरा गई। ट्रक गलत साइड में आ गया था। यात्रियों का कहना है कि घने कोहरे में ट्रक एक वाहन को ओवरटेक करते समय बस के सामने आ गया और टक्कर हो गई। हादसे की खबर मिलते ही खुटार पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस बुलाकर घायलों को खुटार सीएचसी भिजवाया। बस के चालक, परिचालक सहित पांच यात्रियों को राजकीय मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर के लिए रेफर कर दिया गया है।

# बीएमसी के विकास को मिलेगा और धन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**14.52 फीसदी इजाफा पेश किया बजट में**

**53 हजार करोड़ का बजट पास**

**मुंबई। आम बजट के बाद आज शनिवार को देश की सबसे अमीर महानगरपालिका के नाम से प्रसिद्ध महाराष्ट्र की बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने भी अपना बजट पेश कर दिया है। इस बार बीएमसी का बजट(2023-24) अनुमान 52,619.07 करोड़ रुपये प्रस्तावित है जो 2022-23 के बजट अनुमान से 14.52 फीसद अधिक है जो कि 45,949.21 करोड़ रुपये था।**

1985 के बाद यह पहली बार है कि देश के सबसे अमीर नगर निकाय के प्रशासन ने एक प्रशासक को बजट पेश किया, क्योंकि इसके नगरसेवकों का पांच साल का कार्यकाल 7 मार्च, 2022 को समाप्त हो रहा था। नागरिक निकाय के सूत्रों ने कहा कि इस साल के बजट में मुंबई में सड़कों, पुलों और जल निकासी (एसडब्ल्यूडी) के विकास और निर्माण के लिए धन का आवंटन होगा। सूत्रों ने यह भी कहा कि कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएं जैसे गोरेगांव मुलुंड लिंक रोड, अलवणीकरण संयंत्र और मुंबई तटीय सड़क परियोजना का दूसरा चरण,

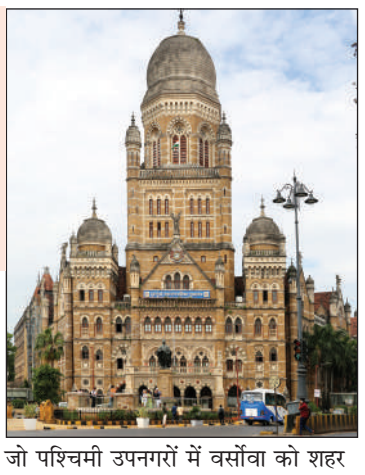

जो पश्चिमी उपनगरों में वर्सोवा को शहर के उत्तरी छोर में दहिसर से जोड़ेगी इसका बजट में उल्लेख मिलेगा।

# मौसम ने दिखाये कई रंग, उत्तर भारत में शीतलहर थमी, दक्षिण में बारिश ने भिगोया

**नई दिल्ली (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। देश के मौसम में शनिवार को कई रुप देखने को मिले । कही ठंड धीरे-धीरे कम हो रही है तो कही बारिश की खबर है तो कहीं भूकंप के झटके लगने की खबरे भी सामने आई हैं। जहां दिल्ली समेत उत्तर भारत में जल्द ही शीतलहर से राहत मिलने वाली है। उत्तर भारत में तापमान सामान्य रहने की उम्मीद है, जबकि कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा रह सकता है। वहीं कई राज्यों में मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट भी जारी किया है।**

## गुजरात के अमरेली में भूकंप के झटके, रिएक्टर स्केल पर 3.2 मापी गई तीव्रता

**अहमदाबाद।** गुजरात में सौराष्ट्र क्षेत्र के अमरेली जिले में आज सुबह 3.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। राहत की बात ये है कि भूकंप से जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने अपने ताजा अपडेट में बताया कि भूकंप सुबह सात बजकर 51 मिनट पर आया और इसका केंद्र अमरेली शहर से 43 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में जमीन की 3.2 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। जिला आपदा प्रबंधन इकाई के एक अधिकारी ने कहा कि भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

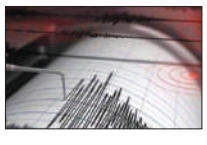

## तमिलनाडु में भारी बारिश, स्कूल और कॉलेज बंद

**चेन्नई।** तमिलनाडु के अलग-थलग स्थानों में लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसको देखते हुए 4 फरवरी को तंजावुर और पुदुक्कोट्टई जिलों में स्कूल और कॉलेज आज यानी शनिवार को बंद रहेंगे। संबंधित जिला कलेक्टरों ने इसका आदेश दिया है। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर बने दबाव के कारण, तंजावुर और पुदुक्कोट्टई जिलों में भारी बारिश हो रही है और इसलिए जिलों में स्कूल और कॉलेज बंद रखने को कहा गया है।

## घने कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली ये 9 ट्रेनें चल रही लेट

**नई दिल्ली।** उत्तर भारत के कई राज्यों में अभी भी घने कोहरे का असर देखने को मिल रहा है, जिसके कारण ट्रेनें देरी से चल रही हैं।

रेलवे विभाग ने शनिवार को बताया कि कोहरे और कम दृश्यता की वजह से लंबी दूरी की नौ यात्री ट्रेनें लेट से चल रही हैं। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि दरभंगा-नई दिल्ली वलोन स्पेशल और बरौनी-नई दिल्ली वलोन स्पेशल 4 घंटे से अधिक की देरी से चल रही हैं। वहीं, रायगढ़-हजरत निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस और रक्सौल-आनंद विहार टर्मिनल सद्भावना एक्सप्रेस 3:00 से 3:30 घंटे की देरी से चल रही हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।